HINDUSTAN (PATNA)
Dated 27-02-2014

आईपीसीएल ने कमान संभालने के लिए पूरी कर ली तैयारी, बिजली व्यवस्था को खर्च होंगे डेढ़ सौ करोड़

इंडिया पावर के हवाले होगी बिजली

गया | निज प्रतिनिधि

इंडिया पावर कॉरपेरेशन लिमिटेड (आईपीसीएल) एक मार्च से बिजली सप्लाई, मेंटेनेंस और कनेक्शन की पूरी जिम्मेवारी संभाल लेगी।

कंपनी के सीईओ सिद्धार्थ मेहता ने आईपीसीएल को मिले फ्रेंचाइजी पर शहर के आईएमए हॉल में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इंडिया पावर बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए डेढ़ सौ करोड़ रुपए खर्च करेगी।

उन्होंने बताया कि साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने गया, बोधगया और मानपुर के साथ-साथ आसपास के गांवों में रौशनी फैलाने की जो जिम्मेवारी इंडिया पावर को सौंपी है, उसे बखूबी से निभाया जाएगा। लाइन मेंटेनेंस, नये कनेक्शन और उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करना कंपनी की प्राथमिकता होगी।

बिजली की फ्रेंचाइजी पर जानकारी देते आईपीसीएल के सीईओ और अन्य अधिकारी।

सीईओ ने बताया कि नये मीटर लगाए जायेंगे, बेहतर बिलिंग एवं रीडिंग की अच्छी व्यवस्था होगी। कार्यक्रम में सीईओ के अलावा बिजनेस हेड प्रवीण सिंहा, प्रेसिडेंट एडमिन सोमेश दासगुप्ता, फिनांशियल जीएम रविशंकर शुक्ला, तकनीकी जीएम सुबोध त्यागी और पब्लिक रिलेशन के जीएम बोनिया बोस सहित बीस अधिकारी शामिल हुए थे।

कंपनी के हेड पीआरओ राकेश रंजन ने बताया कि पावर इंडिया कस्टमर केयर की अच्छी सुविधा होगी। शहर में 21 कस्टमर केयर और गांवों में 114 कस्टमयर केयर सेंटर खोला जाएगा।

लोगों में खुशी

- गया, मानपुर और बोधगया सहित गांवों में रौशनी फैलाने का लक्ष्य
- महंगी बिजली देने के लिए फैलाये गए भ्रम को कंपनी करेगी दूर

उन्होंने बताया कि कंपनी पांच सौ नये रोजगार पैदा करेगी और बिजली के क्षेत्र में उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देगी।

उन्होंने बताया कि महंगी बिजली देने के लिए फैलाये गए भ्रम को कंपनी दूर करेगी। उपभोक्ताओं से वही बिल वसूला जायेगा जो सरकार द्वारा निर्धारित की गयी है।

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए दो फीडरों से जोड़े जाएंगे पावर सबस्टेशन

24 घंटे बिजली देने की तैयारी शुरू

पटना | विनय कुमार झा

गर्मी में राजधानी में रहने वालों को बिजली किल्लत न झेलनी पड़े, इसके लिए कंपनियों ने कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत पावर सबस्टेशनों में बिजली आपूर्ति के लिए दो सोर्स यानी फीडर से सप्लाई की व्यवस्था की जा रही है। इससे अगर एक फीडर में ब्रेकडाउन की भी नौबत आएगी, तो दूसरे से आपूर्ति जारी रह सकेगी। योजना पर अगले महीने से काम शुरू होना है।

बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार तार टूटने या अन्य तकनीकी कारणों से बिजली को किल्लत झेलनी पड़ती है। इसलिए पावर सबस्टेशनों का रिंग बनाया जाएगा।

एक सबस्टेशन के 33 केवी के फीडर के ब्रेकडाउन होने पर रिंग में बंधे दूसरे सबस्टेशन के फीडर से बिजली बहाल कर दी जाएगी। इसके लिए सबस्टेशनों में खास स्विच होगा। एक फीडर के बंद होते ही स्विच ऑन कर दूसरे फीडर से सबस्टेशन को जोड़ दिया जाएगा। इससे ज्यादा देर तक बिजली कट की समस्या नहीं होगी। प्रयोग के तौर पर शहर में अभी कुछ पावर सबस्टेशनों में यह व्यवस्था लागू की गई है। सिंचाई भवन, विकास भवन, पाटलिपुत्र फीडर, एएन कॉलेज सबस्टेशन, एसके पुरी सबस्टेशन, मछुआ टोली सबस्टेशन, अशोक नगर सबस्टेशन, एक्साइज सबस्टेशन आदि में दो ग्रिड से बिजली लेने की सुविधा है। पश्चिमी पटना के कुछ सबस्टेशनों को खगौल के साथ दीघा ग्रिड से, अशोक नगर सबस्टेशन को मीठापुर के साथ गायघाट ग्रिड से और सिंचाई भवन फीडर को खगौल के साथ जक्कनपुर ग्रिड से बिजली सप्लाई की जा रही है।

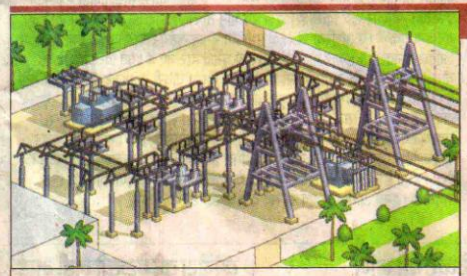

मार्च से शुरू होगा योजना पर काम

दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अनुसार मार्च से इस योजना पर काम शुरू होगा। अगले एक साल में यह काम पूरा हो जाएगा। केंद्र प्रायोजित आरएडीआरपी योजना के तहत राजधानी के पावर सबस्टेशनों को रिंग में बांधा जाना है। ग्रिडों को भी आपसे में लिंक कर दिया जाएगा। योजना के तहत शहर की बिजली संरचना को मजबूत करने पर 600 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

पटना में बिजली

47	07	04
पावर सबस्टेशन	पावर ग्रिड	लाख कुल उपभोक्ता

595 मेगावाट बिजली की मांग

565 मेगावाट बिजली की उपलब्धता

योजना

- एक के बंद होने पर दूसरे फीडर से जारी रहेगी आपूर्ति
- अगले महीने से योजना पर काम शुरू किया जाएगा